707

drishti | दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-13

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF / OPT-24 **H-2413**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: AJAY KUMAR **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** 0

Center & Date: M.W. 707 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0835847

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

खण्ड - क / SECTION - A

1. **आपको दिये गए मानचित्र (पृष्ठ सं. 5) पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिये एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिये स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार दिये गए हैं:** **2½ × 20 = 50**

Identify the following places marked on the map (Page no. 5) supplied to you and write a short note of about 30 words on each of them in your question-cum-answer booklet. Locational hints for the each of the places marked on the map are given below seriatim. **2½ × 20 = 50**

(i) प्राचीन राजधानी शहर
Ancient capital city

(ii) सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल जहाँ से दुर्ग के साक्ष्य नहीं मिले हैं
The IVC site without citadel

आमरी

सिंध प्रांत का यह स्थल, जहाँ निर्माण कारखानों के साक्ष्यों की प्राप्ति, साथ में प्राप्त चारदीवारी में भी दुर्ग जैसे साक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हुई है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) बौद्ध धर्म के महायानवाद से संबंधित मध्यमिका संप्रदाय का केंद्र
Center of Madhyamika school of Mahayan Buddhism

<u>अमरावती</u>

बौद्ध कला का विकसित केंद्र, आधुनिक वर्तमान आंध्रप्रदेश में स्थल।

- सफेद संगमरमर के प्रयोग से बनी बौद्ध मूर्तियां व बौधिसत्व चित्रों में महायान संकल्पना का दर्शन

(iv) सोलंकी शासकों द्वारा निर्मित जैन मंदिर
Jain temple site constructed by Solankis

(v) चेर शासकों द्वारा निर्मित पत्तन शहर
Port city of Cheras

मुजिरिस

चेर शासकों द्वारा विकसित पत्तन, आधुनिक केरल राज्य। विदेशी व्यापार का प्रमुख स्थल। रोमन व अरबों से व्यापार का लंबे समय तक केंद्र रहा।

(vi) पल्लवों की राजधानी
Pallava capital city

कांचीपुरम

आधुनिक चेन्नई के पास तमिलनाडु का एक जिला।
पल्लवों का कला केंद्र व प्रशासनिक केंद्र। 7 वीं सदी से 10 वीं सदी ई० तक विकसित स्थल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(vii) यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
UNESCO World Heritage Site

खजुराहो

खजुराहों का यह स्थल चन्देलों के काल में प्रसिद्ध हुआ। यहां की मंदिर निर्माण कला में नागर शैली के तत्व व अश्लील तत्वों की ज्यादा संख्या पाई जाती है।

(viii) जहाँ से अशोक का अभिलेख प्राप्त हुआ है
Ashokan inscription site

(ix) एक महापाषाणिक-ताम्रपाषाणकालीन स्थल
A Megalithic-Chalcolithic site

आदित्यनल्लूर

आधुनिक तमिलनाडु का स्थल जहाँ से
मृद्भाण्डों की दफ़नाने के साक्ष्यों की प्राप्ति।
→ यहाँ लौह युगी स्थल की भी विकसित
अवस्था की प्राप्ति होती है।

(x) शैलकृत गुफा स्थल
Rock cut cave site

बाघ

मध्यप्रदेश के धार जिले में
सातवाहनों द्वारा विकसित कला शैली। बौद्ध
के साथ-साथ अन्य धर्मों की कला
के भी प्रमाण
→ विहार व चैत्य के रूप में विकसित।

(xi) उत्तरकालीन हड़प्पा स्थल
A late Harappan site

मांडा

जम्मू कश्मीर के अखनूर का मांडा स्थल। सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे ज्यादा ऊँचाई पर बसी आबाद

- विकसित शैली के प्रमाण नहीं, नगर निर्माण योजना में बाकी स्थलों से साम्यता।

(xii) प्राचीन शिक्षण केंद्र
Ancient educational center

विक्रमशिला

पाल शासकों द्वारा निर्मित स्थल, नालंदा के साथ ही बौद्ध शिक्षा का प्रमुख केंद्र।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(xiii) स्थल जहाँ से बादामी के चालुक्य शासकों का अभिलेख प्राप्त हुआ
Inscription site of Badami Chalukyas

ऐहोल

ऐहोल। अभिलेख की प्राप्ति इसमें पुलकेशिन व साम्राज्य विस्तार का वर्णन।

(xiv) अशोक का वृहद शिलालेख
Major Rock edict of Ashoka

कालसी

अशोक का उत्तराखंड का अभिलेख। यहाँ पर शिलाशिलों के लिए शिक्षाओं का उत्कीर्ण किया गया। बुद्ध धर्म की शिक्षाओं का आम जन जीवन में प्रसार की कोशिश।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(xv) प्राचीन बंदरगाह
An ancient port

ताम्रलिप्ति

बंगाल के दक्षिण में स्थित क्षेत्र।
उत्तरापथ में तक्षशिला से जुड़ाव वाला स्थल। जहाँ से चीन व पश्चिमी एशिया के साथ भी व्यापार होता था।

(xvi) नवपाषाणकालीन स्थल
A Neolithic site

बुर्जहोम

जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के उत्तर पूर्व में बसा स्थल

→ धरती में खोद कर घरों में निवास व कुत्ते व इंसान के साथ में दफनाए जाने के साक्ष्य मिले।

(xvii) प्रारंभिक हड़प्पाई स्थल
An early Harappan site

रोपड़

पंजाब के रूपनगर में स्थित स्थल में जल संरक्षण की टैंक व कुओं जैसी संरचनाओं की प्राप्ति।

(xviii) तीसरी बौद्ध परिषद
Third Buddhist Council

पाटलीपुत्र

मगध साम्राज्य में अशोक के समय में आयोजित सम्मेलन। महायान व हीनयान के विचार पर मतभेद

→ त्रिपिटकों की रचना को अंतिम रूप दिया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(xix) प्रागैतिहासिक गुफा चित्रकला स्थल
A prehistoric cave painting site

भीमबेटका

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में,
मध्यपाषाण काल के चित्रों की प्राप्ति
→ परिवार। शिकार । पुरुष स्त्री द्वारा
का कार्य विभाजन, आकाश। धरती। जानवरों
के चित्रों में सौंदर्य बोध

(xx) सूर्य देवता को समर्पित मंदिर
Temple dedicated to Sun god

कोणार्क

उड़ीसा में विकसित 13वीं सदी का
कोणार्क मंदिर → पहियों व विशाल
बाहिर के निर्माण
→ मंदिर के रूप में रथ निर्माण।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) 'भारतीय राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संदर्भ में पुराणों का व्यापक महत्त्व है।' इस कथन की पुष्टि कीजिये। 20

'Puranas enjoy great significance in context of Indian political and cultural heritage.' Justify the statement. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पुराणों की रचना मौर्योत्तर काल से शुरू होकर गुप्तोत्तर काल तक चलती रही। वैदिक ज्ञान को आम जन तक प्रसार करने व सरल रूप में घटना वर्णन के तरीके के रूप में पुराणों की रचना की।

पुराणों का रचयिता उग्रश्रवा को माना जाता है। 18 पुराण व लगभग इतने ही उपपुराणों की रचना की गई। वैदिक काल में चार वेद, ब्राह्मण, आरण्यक व उपनिषदों की रचना के बाद पुराणों का संकलन शुरू हुआ जिसमें पौराणिक घटनाओं के साथ-साथ राजनीतिक इतिहास को भी शामिल किया गया।

पुराणों में यथा मत्स्य पुराण सातवाहन

काल। वायु पुराण गुप्तकाल, विष्णुपुराण इत्यादि की रचना की गई। पुराणों में सृष्टि के जन्म से लेकर वंश, मन्वंतर, वंशावली, सृष्टि का विनाश तक सभी चीजों को उल्लेखित किया गया।

पुराणों के द्वारा भारतीय संस्कृति में अनेक धार्मिक तत्वों को भी शामिल किया गया व ब्रह्मा, विष्णु, महेश की अवधारणा को मजबूत कर के घर घर पहुँचाया गया। पुराणों में भक्ति, अवतारवाद जैसे तत्वों को भी शामिल कर ब्राह्मण धर्म को नई दिशा दी गई।

पुराणों में मूर्तिपूजा को भी स्वीकार किया गया। पुराणों का भारतीय जनमानस पर भारी प्रभाव पड़ा। वैदिक ग्रंथ जहाँ शूद्रों व महिलाओं को सुनने की इजाजत नहीं थी वहीं पुराणों को सुनने की इजाजत दे दी गई। पुराणों के द्वारा

drishti | दृष्टि The Vision

संस्कृति में कर्मकांडीय तत्वों को मजबूत किया। जाति व्यवस्था की कठोरता व महिलाओं की पाबंदी बढ़ाने में भी पुराणों की अभिन्न भूमिका रही।

पुराणों के द्वारा उस काल की घटनाओं, भूगोल, सामाजिक परिस्थितियों धार्मिक प्रवृत्तियों की भी जानकारी मिलती है। पुराणों को इतिहासकार रोमिला थापर के द्वारा भारतीय इतिहास लेखन की कला के रूप में भी वर्णित किया गया है।

पुराणों के द्वारा दिए गए वर्णन एक रूप मानव जाति के इतिहास को सर्ग, प्रतिसर्ग के रूप में उल्लेखित पाते हैं। वहीं सांस्कृतिक तत्वों में पुराणों के द्वारा विदेशी व जनजातीय तत्वों को भारतीय संस्कृति के मूल तत्व बनाने में भी भूमिका निभाई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाज में एक ओर पुराणों ने रूढ़िवाद बढ़ाने का काम किया तो वहीं दूसरी ओर इनके द्वारा लोगों में अनुशासन, आपसी सम्मान, समाज के नियम, धर्मशास्त्र के रूप में राजा के नियम, ईश्वर की सर्वोच्च अवधारणा आदि को भी शामिल किया।

हालांकि पुराणों की रचना उच्च वर्ग के दृष्टिकोण से हुई है जिसके कारण निम्न लोगों या आम जनजीवन का ज्यादा विवरण नहीं मिल पाता, फिर भी इतिहास के क्रमानुसार उल्लेखन व सांस्कृतिक तत्वों का ज्ञान कराने में पुराणों की अभिन्न भूमिका है।

(b) 'सभ्यता समाप्त हो गई लेकिन विचार आज तक फल-फूल रहा है।' सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिये। 15

'The Civilization died but the idea continues to flourish till date.' Explain the statement with reference to the Indus Valley Civilization. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता की स्थापना 2500 ई. पू. के आस पास भारतीय उपमहाद्वीप हुई। सिंधु घाटी ने जीवन यापन के उन सामाजिक, सांस्कृतिक तत्वों की स्थापना की जो वर्षों बाद भी आम जन जीवन में जारी है।

सिंधु घाटी की पतन का काल 1500 ई. पू. के पास माना जाता है परंतु इसके तत्वों का विस्तार ताम्रपाषाणिक ग्रामीण संस्कृति व आगे आर्यों द्वारा होता रहा।

सर्वप्रथम सिंधु का प्रमुख विचार नगर नियोजन को देख सकते है। नगर नियोजन में सड़कों का समकोण पर काटना, घरों में कुओं की व्यवस्था, ड्रेनेज प्रणाली, जलाशयों व ईंटों का निर्माण, ईंटों का सही

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सभी क्षेत्रों में निश्चित अनुपात की प्राप्ति हड़प्पा होती है जो आज भी सीवरेज व्यवस्था। समकालीन पर शालिनों व कुओं द्वारा जलापूर्ति के रूप में दिखता है।

सांस्कृतिक तत्वों में हड़प्पा के प्राकृतिक पूजा। पशु पूजा। सर्प पूजा। योगी की मूर्ति जैसे तत्व भारतीय संस्कृति के धर्म में बने हुए हैं जो मंदिर पूजा। लिंग व योनि की पूजा। पशुओं के साथ सामांतर जीवन के रूप में दिखाई देता है।

आर्थिक व्यवस्था में भी सिंधु सभ्यता काफी समृद्ध थी। दूर मध्य एशिया व मेसोपोटामिया से व्यापार के अलावा आंतरिक व्यापार द्वारा भी उन्नति की जाती थी। लोथल का गोदीबाड़ा प्रमाण है, इसी प्रकार कालांतर में भी दक्षिण से सोने का खनन। विदेशी व्यापार। पशुपालन व कृषि के माध्यम से जीवन यापन जैसे तत्व आगे भी जारी रहे जो आज भी जारी

हैं।

सिंधु सभ्यता की राजनीतिक व्यवस्था की पुख्ता जानकारी भी नहीं परन्तु शासन में एकरूपता का आभास होता है, ठीक वैसे ही एकरूप शासन में सभी लोगों के कल्याण का तन्त्र आज भी जारी है। एक इतिहासकार ने कहा है कि सिंधु के लोगों ने मेसोपाटामिया राज्य की तरह बड़े बड़े निर्माणों की बजाय लोगों के जीवनसुधार पर बल दिया।

ठीक वैसे आधुनिक राज्य की स्थापना भी लोकजीवन सुधार पर टिकी है। अतः सिंधु घाटी सभ्यता के तत्वों की निरंतरता हम विभिन्न रूपों में देख सकते हैं। सिंधु सभ्यता के पतन के कारणों की विवेचना कर के हम आधुनिक सभ्यता की रक्षा के विचार पर भी काम कर सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) 'भारतीय कला, वास्तुकला तथा संस्कृति पर बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव रहा है।' टिप्पणी कीजिये। 15

'Buddhism has left a deep impression on Indian art, architecture and culture.' Comment. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बौद्ध धर्म की स्थापना महात्मा बुद्ध द्वारा 6 ठी सदी ई०पू० में उपजी बौद्धिक क्रांति की देन की गई। बौद्ध धर्म को आगे मिले राजकीय आश्रय ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय कला में बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म को राज्याश्रय मिलने के बाद मौर्यकाल में स्तूप, विहार गुफाओं का निर्माण शुरु हुआ। इसमें सांची, सारनाथ, बराबर, बाघगना की गुफाएं। व सातवाहन काल में नागार्जुनकोंडा व अमरावती जैसे केंद्र कला के रूप में विकसित हुए।

→ स्तूपों में जहां पूजा की जाती थी वहीं विहार मुख्यत: भिक्षुओं के निवास स्थल थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्तंभों के निर्माण में भी बौद्ध धर्म के प्रभाव को देखा जा सकता है जिन पर बैल (संकिसा), शेर आदि की मूर्तियों का निर्माण किया गया है।

वास्तुकला के साथ ही बौद्ध धर्म का प्रभाव भारतीय कला के अन्य रूप चित्रकारी पर भी देखा जा सकता है। अजंता व एलोरा के चित्रों में जातक कथाओं का चित्रण किया, वे पालीग्रंथों में बौद्ध धर्म संतों के विचारों का संकलन भी कला का अन्य रूप है।

बौद्ध धर्म का प्रभाव जीवन जीने की कला पर भी देखा जा सकता है जो आडंबर मुक्त सात्विक जीवन जीने पर केंद्रित है।

संस्कृति पर प्रभाव

बौद्ध धर्म ने भारतीय संस्कृति को उन्मुक्त करने का काम किया।

6वीं सदी ई. में बेड़ियों में बंधे जीवन को मुक्त कर के बौद्ध धर्म ने समाज में स्वतंत्रता, समानता जैसे तत्वों को बढ़ावा दिया।

महिलाओं की आम जनजीवन में भागीदारी बढ़ाने, शूद्रों पर अत्याचार कम करने में बौद्ध धर्म का प्रभाव देखा जा सकता है।

महायान के रूप में नई श्रृंखला की शुरुआत, तंत्रवाद के साथ मिलन से वज्रयान का जन्म आदि सभी तत्वों का आत्मसातीकरण बौद्ध धर्म का महत्त्व बताता है।

अतः बौद्ध धर्म ने भारतीय संस्कृति व कला पर अमिट प्रभाव छोड़ते हुए उसे जीवंत किया। वास्तुकला के रूप में विकास ने नगरीकरण को बढ़ावा दिया तो वहीं संस्कृति पर प्रभावों ने समाज में नवाचार लाने में योगदान दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. (a) यद्यपि अशोक के धम्म की प्रकृति व्यापक विमर्श का विषय रहा है लेकिन इस मत को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है कि इसका मौर्य शासन की सैन्य शक्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 20

'The nature of Ashoka's Dhamma is much debated, but it cannot be overlooked that Dhamma adversely effected the Mauryan militarily strength.' Critically analyze. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कलिंग की भयानक जीत के बाद अशोक के द्वारा धम्म नीति की शुरुआत की गई। इस नीति के द्वारा उसने रणघोष की बजाय धम्मघोष से राज्य में कल्याणकारी व्यवस्था की स्थापना के प्रयास किए।

हरिप्रसाद शास्त्री व अन्य कुछ इतिहासकारों के द्वारा अशोक की धम्मनीति पर मौर्य साम्राज्य के पतन के आरोप लगाए गए हैं।

इनका मानना है कि धम्म नीति के कारण मौर्य साम्राज्य की सैन्य शक्ति जिसके द्वारा इसकी स्थापना की गई थी वह कमजोर हो गई। सैनिकों की तलवारों को जंग लगने से परवर्ती राजाओं की विदेशी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आक्रमणों का सामना करने में भी समस्याएं हुई। इसके अलावा सैन्य प्रणाली पर ध्यान न दिए जाने के कारण शासन में भी बगावत जैसे तत्वों ने सिर उठा लिया।

अशोक द्वारा धम्म नीति के संदेश को विश्व के अन्य भागों में प्रसार के कारण मौर्य साम्राज्य की कमजोरी को प्रदर्शित किया।

सैन्य व्यवस्था के साथ शांति व अहिंसा की बात व बौद्ध धर्म के समांतर ब्राह्मण धर्म को संरक्षण न देने के कारण भी शासन व्यवस्था में अव्यवस्था उपजने लगी जिसके कारण पुष्यमित्र शुंग जैसे ब्राह्मण सेनापतियों का प्रतिरोध बढ़ने लगा व कालांतर में बृहद्रथ की हत्या कर के मौर्य साम्राज्य का पतन कर दिया गया।

परंतु इन सब आरोपों पर रोमिला थापर के द्वारा जवाब देते हुए कहा है कि अशोक द्वारा धम्म नीति को अपनाने का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं था कि उसने सैन्य व्यवस्था को त्याग दिया था।

अपने अभिलेख में वह स्वयं कहता है कि ~~देवानां~~ देवों का प्रिय धम्मघोष से राज्य विजय में विश्वास करता है, परंतु जिन विजयों को धम्म से अंजाम न दिया जा सके उनमें भी सीमित मात्रा में ही तलवार का प्रयोग किया जाए।

इसके अलावा वह आटविक राज्यों को भी युद्ध की चेतावनी देकर सही मार्ग पर चलने के लिए आगाह करता है।

अशोक की सैन्य नीति पर धम्म का असर आंशिक रहा, उसने युद्धों का त्याग कर के धम्म द्वारा विजय की अवधारणा रखी ताकि अहिंसा से बचा जा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सके। मौर्य साम्राज्य की सैन्य कमजोरी का कारण हमें परवर्ती शासकों की कमजोर सैन्य नीति में देखना चाहिए। कमजोर उत्तराधिकारी रहने से साम्राज्य का संचालन सक्षम नहीं था जिससे बगावत का दौर शुरू हुआ।

इस प्रकार धम्म नीति के द्वारा अशोक ने साम्राज्य के प्रसार पर ध्यान दिया, परंतु सैन्य व्यवस्था की कमजोरी के लिए केवल धम्म नीति को न दोषी ठहराते हुए अन्य कारणों पर भी विचार करना चाहिए।

(b) 'आर्थिक जीवन में निरंतरता और परिवर्तनशीलता गुप्त काल की विशेषता है।' उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिये। 15

'The Gupta age is characterized by elements of continuity and change in economic life.' Explain the statement with suitable arguments. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गुप्त साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त द्वारा 320 ई. में की गई थी। इस काल में सांस्कृतिक व आर्थिक विकास के कारण इसे राष्ट्रवादी इतिहासकारों द्वारा स्वर्णकाल की संज्ञा दी गई है।

गुप्त काल के आर्थिक जीवन में मौर्योत्तर काल के बाद निरंतरता के तत्व व्यापार क्षेत्र में देखे जा सकते हैं। व्यापार के लिए बंदरगाह व रेशम व्यापार का चीन से जुड़ा भाग अभी भी चालू अवस्था में था।

कुषाणों के द्वारा जारी की गई सोने की मुद्रा का गुप्तों के द्वारा व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया गया व 'इनकी संख्याओं'

भी बढ़ोतरी मिलती है।

कृषि अर्थव्यवस्था में गुप्तकाल की जानकारी के स्रोत अमरसंहिता जैसे ग्रंथ हैं। कृषि में सिंचाई के लिए बनाई गई सुदर्शन झील को मौर्योत्तर काल में पुनर्निर्मित की गई। उसका प्रयोग गुप्तकाल में भी जारी था।

समाज में वर्णव्यवस्था के आधार पर कार्यों का जातीय विभाजन आगे भी तैयार रहा और कठोर रूप में सामने आते हैं।

वहीं गुप्तकाल में पहले के कालों से निरन्तर परिवर्तन के तत्त्व दिखे हैं इस काल में व्यापार में पतन की का अंदेशा मिलता है। वहीं रामशरण शर्मा द्वारा मुद्रा निर्माण के सांचों का न मिलना व सोने के सिक्के में सोने की मात्रा का कुषाणकाल से बहुत कम पाया जाना आर्थिक कमजोरी को दर्शाता है।

वहीं B.D चट्टोपाध्याय ने नए नगरों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की स्थापना व नई मुद्राओं के ढाले जाने की बात कही है परंतु कौड़ी जैसी सस्ती मुद्रा का भी प्रयोग इस काल में देखा गया।

मनुस्मृति जैसे ग्रंथों में वैश्यों के पतन का काल दर्शाया गया है। कई ग्रंथों में अब वैश्य कृषि कार्यों में संलग्न होने लगे थे। परंतु एक अन्य बदलाव शूद्रों की स्थिति में आया, उनकी आर्थिक स्थिति सुधार रही थी व वे वर्णव्यवस्था में अपनी जगह बना रहे थे।

इस तरह गुप्तकाल में आर्थिक स्थिति में पतन के लक्षण दिखते हैं परंतु शासकों द्वारा सांस्कृतिक उत्थान, लेखकों को संरक्षण व विभिन्न मुद्राओं पर अपनी दैवी छवि का प्रतिस्थापन हमें स्वर्णकाल का भी आभास कराता है।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) मौर्य काल के इतिहास की पुनर्रचना में मेगस्थनीज द्वारा रचित इंडिका के महत्त्व की विवेचना कीजिये। साथ ही, इस रचना से संबंधित चिंताओं को उजागर कीजिये यदि कोई हैं तो। 15

Discuss the importance of the text, Indica by Megasthanese in reconstructing the history of the Mauryan age. Also, highlight the concerns related to the text, if any. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मौर्यकाल साम्राज्य की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य के द्वारा नंद वंश को पराजित कर के की गई। इस साम्राज्य की जानकारी के लिए प्रमुख स्रोतों के रूप में मेगास्थनीज की इंडिका व कौटिल्य की अर्थशास्त्र का अभिन्न महत्त्व है।

मेगास्थनीज सेल्युकस निकेटर के राजदूत के रूप में मौर्य दरबार में आया। उसके द्वारा अपनी पुस्तक इंडिका में राज्य की नौकरशाही, सैन्य प्रणाली व आम जन जीवन की घटनाओं का वर्णन किया गया है।

उसके विवरणों में हमें एग्रोनोमाई, एस्टीनोमाई जैसे अधिकारियों का विवरण मिलता है जो प्रशासन में भूमिका निभाते थे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके अलावा उसने सैन्य प्रणालियों में 7 समितियों की व्याख्या की है जैसे रथ, घोड़ा, हाथी सेना के साथ-साथ रसद आपूर्तियां आदि का भी विवरण प्रदान करती है।

'इंडिका' में मौर्य साम्राज्य के प्रसार व साम्राज्य के सैन्य अभियानों की भी जानकारी मिलती है। इसके अलावा यह समाज में दास व्यवस्था न होने की बात करता है व सामान्य जनजीवन के बारे में बताता है।

परंतु मेगास्थनीज की इंडिका की कई समस्याएं हैं जो इसकी प्रमाणिकता पर सवाल खड़े करती हैं। पहला तो यह कि यह 'डबल फिल्टर' से गुजरित है। इसकी मूल प्रति खो गई है व इसे बाद के लेखकों द्वारा पुनर्रचित किया गया जिससे विवरणों में विरोधाभास उत्पन्न होता है।

इसके अलावा मेगास्थनीज के वर्णनों में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुछ ऐसे विवरण है जो कपोल कल्पित प्रतीत होते हैं। उसके द्वारा कहा गया कि भारत में ऐसी चींटी हैं जो बाघ की खाल जैसी हैं व सोना खोदती हैं। भारतीय खाने से पूर्व मदिरा का सेवन करते हैं।

कई विवरण ऐसे हैं कि जिनसे प्रतीत होता है कि समाज की जानी सुनी गई कथाओं पर ही रचना में विवरण शामिल कर लिया गया। जिसमें दासप्रथा न होने का विवरण भी शामिल है।

अतः 'इंडिका' के साथ कई समस्याएं हैं परंतु इसे तात्कालीन अर्थशास्त्र के साथ व यूनानी विवरणों के साथ अध्ययन कर के मदद मिल सकती है।

4. (a) भक्ति आंदोलन के सामाजिक महत्त्व और प्रभाव का आकलन कीजिये। 20

Assess the social significance and impact of the Bhakti movement. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) ह्वेनसाँग जिसे ह्वेन-त्सांग के नाम से भी जाना जाता है, की दृष्टि से भारत का वर्णन कीजिये। 15

Describe India through the eyes of Xuanzang, also known as Hiuen Tsang. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) चोल ग्राम सभाओं की विभिन्न विशेषताओं और पात्रता मानदंडों की विवेचना कीजिये। क्या आप इस मत से सहमत हैं कि उनकी प्रकृति लोकतंत्रात्मक थी? कारण सहित अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये। 15

Discuss various features and eligibility criteria of Chola village assemblies. Do you agree that they were democratic in nature? Give reasons in support of your answer. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) अलाउद्दीन खिलजी के राजत्व के सिद्धांत की चर्चा कीजिये। उनके विचारों ने प्रशासनिक एवं बाज़ार सुधारों को किस प्रकार आकार दिया?

Discuss Alauddin Khilji's theory of kingship. How did his ideas shape his administrative and market reforms?

अलाउद्दीन खिलजी 1295 ई० में दिल्ली सल्तनत का सुल्तान बना। सल्तनत में उसने व्यापक परिवर्तनों की शुरुआत की जिसके कारण इस काल को 'खिलजी क्रांति' भी कहा जाता है।

अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा राजत्व के सिद्धांत में कठोरता का प्रयोग किया गया। सर्वप्रथम उसने धर्म यानी उलेमाओं के प्रभाव को कम किया व साथ में हिंदुस्तानी व अन्य अमीरों को भी प्रशासन में भागीदार बनाया।

अलाउद्दीन को बगावत का डर था जिसके कारण उसने अमीरों पर कठोर बंदिशें, जैसे कि आपसी वैवाहिक संबंधों पर रोक। मेलजोल पर रोक, लागू कर दी तथा विवरण करने के उलेमाओं में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राप्त होता है।

अलाउद्दीन ने आंतरिक मजबूती के साथ ही बाहरी मजबूती व सैन्य अभियानों के लिए सैन्य बाजार व प्रशासनिक सुधार किए। प्रशासन में उसने मुक्तियों की शक्ति पर नियंत्रण करते हुए सकेंद्रण को बढ़ाना। वहीं बाजार व्यवस्था में तीन तरह के बाजार कपड़ा बाजार, घोड़ों का व अनाजों का बाजार।

इन सभी में मूल्य निर्धारण का कठोरता से पालन किया गया। कृषि व्यवस्था में भी बिचौलिया प्रणाली को समाप्त कर के सीधे ग्रामीण व्यवस्था को बाजार से जोड़ा गया।

अतः अलाउद्दीन के कठोर राजत्व सिद्धांत ने प्रशासन व बाजार में भी कठोरता को जन्म दिया। वह इससे राज्य विस्तार व मंगोल आक्रमणों का सामना करने में तो कामयाब रहा परंतु उसकी मृत्यु के साथ ही राज्य में कोई प्रभावी उत्तराधिकारी का न होना नकारात्मक प्रभाव के रूप में सामने आया।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) "दीन-ए-इलाही अकबर की मूर्खता का स्मारक होने से कहीं अधिक, अकबर के राष्ट्रवाद की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी।" टिप्पणी कीजिये।

"Far from being a monument of Akbar's folly, Din-i-Ilahi was the crowning expression of Akbar's nationalism." Comment.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अकबर द्वारा धार्मिक विषयों में गहरी रुचि लेते हुए एक नए धर्म 'दीन-ए-इलाही' की शुरुआत की गई। V.A. स्मिथ द्वारा इसे मूर्खता का स्मारक की संज्ञा दी गई।

V.A. स्मिथ के विचार में अकबर महजरनामा, दीन-ए-इलाही जैसे कार्यों से स्वयं को धार्मिक नेता के रूप में स्थापित करना चाहता था। वह इसे बहुत ही असफल नीति के रूप में परिभाषित करता है।

परंतु दीन-ए-इलाही को मूर्खता का स्मारक मानना भी मूर्खता ही होगी। रोमिला थापर के द्वारा इस नीति की प्रशंसा में कहा है कि अकबर ने शिकागो संसद के आयोजन से 300 वर्ष पूर्व ही धर्म सम्मेलन का आयोजन कर लिया था

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दीन-ए-इलाही को अकबर के राष्ट्रवाद से भी जोड़ा जा सकता है। अकबर वर्षों से धर्म के आधार पर बँटे देख रहा था जिससे शासन में फूट पड़ती थी। अकबर ने सभी धर्म के लोगों को एक जगह इकट्ठा कर परम सत्य को जानने की कोशिश की।

अकबर ने इन सभी विचारों को एकत्रित कर के दीन ए इलाही की शुरूआत की जिसमें वह शस्त (मंत्र) देकर इंसान को अपना सम्मान। धन सौंपने को कहता था व सात्विक जीवन जीने की आशा रखता था।

हालांकि यह पंथ राज्य द्वारा दूसरे तरीके से प्रसारित नहीं कर पाया गया न ही अशोक की धम्म नीति की तरह लोगों पर थोपा गया, इसलिए इसके बहुत कम ही अनुयायी बने।

फिर भी अकबर के द्वारा धर्म के क्षेत्र में इस नवाचार को मूर्खता की बजाय सर्वधर्मसमभाव की नीति के तहत देखना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) एक शासक के रूप में फिरोज़शाह तुगलक का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

Critically analyze Firoz Shah Tughlaq as a ruler.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1351 ई० में मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु के बाद फिरोजशाह तुगलक गद्दी पर बैठा। फिरोजशाह ने राज्य में मुहम्मद की नीतियों से उपजे विद्रोहों को दबाने के लिए कदम उठाए।

सकारात्मक पक्ष

फिरोजशाह के द्वारा किसानों के कर शोषण से निजात दी गई व कृषि में सुधार के लिए नहर सिंचाई, नए फसलों की शुरूआत व बागान स्थापना जैसे कार्य करके आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया गया।

फिरोजशाह ने नए निर्माण कार्य करवाए व जनकल्याण के साधन यथा अस्पताल, मदरसों की स्थापना करवाई।

कृषकों के साथ ही मुस्लिमों को भी फिरोजशाह ने छूट प्रदान कर के पूर्ववर्ती कठोर नियंत्रण नीति को कमजोर किया। उसने हिंदू धर्म के साहित्यों का फारसी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अनुवाद करवाना व हिसार, फतेहाबाद जैसे नगरों की भी स्थापना करवाई।

नकारात्मक पक्ष

फिरोजशाह ने उलेमाओं के विद्रोह को दबाने के लिए धुर्वीकरण की नीति अपनाई। उसने हिंदुओं पर जजिया जैसी व्यवस्था का प्रसार किया व कर न चुकाने पर जिंदा जला देने जैसी घटनाओं को भी अंजाम दिया। इसके अलावा महिलाओं पर बंदिशें व कठोर शरियत को लागू किया गया।

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि फिरोजशाह की द्वारा मुहम्मद की गलत नीतियों को सुधारने के उसके कदमों ने उसके असली कल्याणकारी चरित्र को ढक दिया।

अतः फिरोजशाह तुगलक का काल मुख्यतः जनता के विद्रोह को शांत करने व राज्य में नवाचारों पर केंद्रित रहा। परंतु अपनी तैमूर आक्रमण व अयोग्य उत्तराधिकारी के कारण वह तुगलक वंश के पतन को रोकने में असफल रहा।

drishti | दृष्टि The Vision

(d) एक इतिहासकार के रूप में अमीर खुसरो की स्थिति का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the position of Amir Khusro as a historian.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दिल्ली सल्तनत में अमीर खुसरो का स्थान अलाउद्दीन खिलजी के काल में हुआ। अमीर खुसरो एक कवि के साथ-साथ इतिहासकार के रूप में भी प्रसिद्ध है।

अमीर खुसरो को एक रक्षक से केंद्रीय राजधानी दिल्ली में लाया गया था। जल्द ही उसने अपनी काव्यकला से प्रमुखता हासिल कर ली व दरबार में जगह बनाई। उसके द्वारा दिए गए ~~विवरण~~ विवरण हमें दिल्ली सल्तनत की नीतियों के बारे में ज्ञान कराते हैं।

वह दक्कन की अलाउद्दीन की नीति को धर्म से प्रेरित बताते हुए कहता है कि सुल्तान इस्लाम धर्म की पताका फहराना चाह रहा था। वहीं अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद दरबारी षड्यंत्रों व तुगलक वंश की स्थापना का भी विवरण उसकी रचनाओं में मिलता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके अलावा नूह सिपिहर, लैला मजनू जैसी रचनाओं में जहां उसने तात्कालीन कला, राग, कविता आदि के साथ सामाजिक स्थिति को भी दर्शाने का प्रयास किया है।

निजामुद्दीन औलिया के साथ उसके मधुर संबंधों के कारण हमें सूफी संतों व इतिहास व उनके जनता के संग जुड़ाव की जानकारी प्राप्त होती है।

परंतु एक इतिहासकार से ज्यादा अमीर खुसरो घटना वर्णन में चाटुकार ज्यादा लगता है। वह अलाउद्दीन द्वारा जलालुद्दीन खिलजी की हत्या की घटना का वर्णन नहीं करता। इसके अलावा भी शासक प्रशंसा हासिल करने के लिए बढ़ा चढ़ा कर वर्णन करता है।

अतः एक इतिहासकार के रूप में अमीर खुसरो की रचनाओं का प्रयोग करते हुए समकालीन बरनी व तबकात-ए-नासिरी जैसे ग्रंथों से भी तुलना करना आवश्यक है।

(e) बहमनी साम्राज्य की वस्तुओं, बंदरगाहों एवं व्यापार के अन्य संबंधित पहलुओं के बारे में संक्षेप में चर्चा कीजिये।
Discuss in brief about the commodities, ports and other related aspects of trade of the Bahmani Kingdom.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुहम्मद बिन तुगलक के काल में दिल्ली सल्तनत से बगावत करके 1347ई. में बहमनी सल्तनत की स्थापना हुई। बहमनी शासन ~~अपनी~~ आर्थिक मामलों के कारण विजयनगर साम्राज्य के साथ प्रतिद्वंदिता करता था।

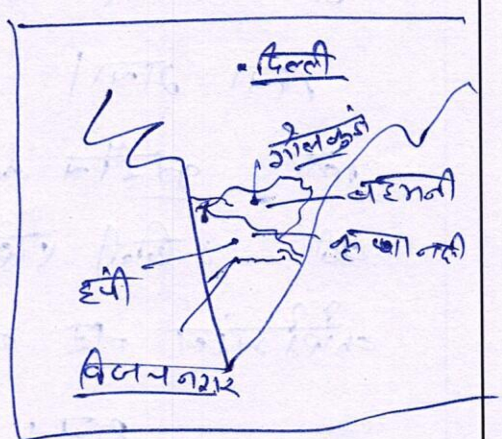

→ बहमनी साम्राज्य के बारे में हमारी जानकारी का प्रमुख स्रोत अफानासी निकीतन का विवरण है।

→ बहमनी साम्राज्य घोड़ों के व्यापार, निर्माण कार्यों के लिए टाइल्स, मसालों का व्यापार आदि के लिए आंतरिक व बाहरी तौर पर जुड़ा हुआ था।

→ बहमनी साम्राज्य की बंदरगाह तक पहुंच

थी जिसमें बर्बर क्षेत्र का व्यापार भी शामिल है।

कृष्णा व तुंगभद्रा के उपजाऊ स्थल के लिए विजयनगर से युद्ध दर्शाते हैं कि आर्थिक तौर पर बहमनी साम्राज्य में कितनी सजगता थी।

फिरोजशाह बहमनी जैसे शासकों के द्वारा भी व्यापार को बढ़ावा देने में योगदान दिया गया। अरब देशों से व्यापार के लिए कोंकण के बंदरगाह का प्रयोग करते थे वहीं दक्षिणी एशिया से व्यापार के लिए कोरोमंडल तट महत्वपूर्ण था।

अतः बहमनी साम्राज्य के उत्थान व सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकास के लिए व्यापार व तटीय बंदरगाहों का प्रमुख महत्व था।

6. (a) राजपूत समाज और उनकी राजनीति की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा दुर्जेय राजपूतों को उनकी भूमि से उन्मूलित कैसे किया जा सका? 20

Bring out the salient features of the Rajput polity and society. How could foreign invaders uproot the powerful Rajputs from their homeland? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) मध्यकालीन भारत में इक्ता प्रणाली के विकास का परीक्षण कीजिये। विभिन्न शासकों के अधीन इसके उद्भव, विकास और परिवर्तनों की चर्चा कीजिये। 15

Trace the evolution of the Iqta system in medieval India. Discuss its origin, development, and eventual transformation under different rulers. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) सूचना के स्रोत के रूप में किताब-उल-हिंद का मूल्यांकन कीजिये। 15

Give an estimate of Kitab-ul-Hind as a source of information. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. (a) मुगलों द्वारा चलाई गई जागीरदारी प्रणाली के संगठन की व्याख्या कीजिये। इक्ता प्रणाली और जागीरदारी प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिये। 20

Explain the organization of Jagirdari system by Mughals. Present a comparative study of Iqta system and Jagirdari system. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुगल साम्राज्य का विस्तार विशाल भारतीय उपमहाद्वीप पर था। इस साम्राज्य के सन्चालन के लिए मुगल शासकों द्वारा जागीरदारी प्रणाली की शुरूआत की जो मनसबदारी प्रणाली के साथ सन्योजन में कार्य करती थी।

मुगल बादशाह अकबर ने प्रशासन में सुदृढ़ता व केंद्रीकरण को बढ़ाने के लिए मनसब की व्यवस्था की। मनसब को अपने सैन्य रखरखाव व जीवनयापन के लिए जात व सवार के मूल्य के आधार पर जागीर दी गई।

जागीरदारी प्रणाली में कुछ जागीरें वंशानुगत थी वहीं ज्यादातर स्थानांतरण प्रकृति की थी। जागीरों से केवल आर्थिक जुड़ाव ही मनसब का रहता था।

drishti | दृष्टि The Vision

कई बार कुछ विशेष उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मसरूत जागीरें भी दी जाती थी। जागीरें जौर ए तलब व खौर ए हासिल में विभाजित थी।

जौर ए तलब से जहां वसूली मुश्किल होती थी तो वही खौर ए हासिल अच्छी जागीरें मानी जाती थी। मार्क्सवादी इतिहासकार मुगल साम्राज्य के 18वीं सदी में जागीरदारी संकट को पतन का कारण मानता है।

यह जागीरदारी संकट जमादामी व हासिलदामी के बीच अंतर के कारण उपजा था। जागीरें पाने के लिए कुलीनों में होड़ लगी रहती थी। अकबर, जहांगीर के काल तक जागीरों का संगठन मजबूत रखा गया। परंतु जैसे-जैसे क्षेत्रों का विस्तार हुआ तो जागीर प्रणाली प्रशासन को कम व शोषण का ज्यादा, जटिल बन गई।

जागीरों की बढ़ती मांग व गुटबंदी ने षड्यंत्रों को जन्म दिया जिससे केंद्रीय शासन व्यवस्था हिल गई। इस प्रकार जागीर

प्रणाली मुगल साम्राज्य की रीढ़ के रूप में काम करती थी।

इक्ता प्रणाली व जागीर प्रणाली में अंतर

→ दिल्ली सल्तनत में प्रशासन की प्रमुख व्यवस्था इक्ता प्रणाली थी, जो खालिसा जमीनों के बाहर मुक्ति या वली को वितरित की जाती थी।

→ इक्ता व्यवस्था में राजस्व संग्रहण के साथ सैन्य व अन्य प्रशासन की जिम्मेदारी भी इक्ता पर थी। परंतु जागीर प्रणाली केवल राजस्व वसूली का संबंध था।

→ इक्ता व्यवस्था में परवर्ती सुल्तानों में सल्तनत का प्रसार किया व प्रशासनिक केंद्रीकरण की बढ़ाने के साथ राजधानी में फवाजिल रकम भी भेजी जाती थी। परंतु जागीरदारी प्रणाली में फवाजिल जैसा कोई प्रावधान नहीं थी।

→ जागीर प्रणाली में जहां वंशानुगत तत्वों

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की कुछ हद तक स्वीकृति भी थी। इक्ता प्रणाली में कोई वंशानुगत तत्त्व नहीं था।

-. इक्ता व्यवस्था में समय-समय पर शासकों द्वारा नियंत्रण के लिए नई-नई व्यवस्था करके इसके स्वरूप को बदल दिया गया था परंतु जागीर प्रणाली में ऐसा कम ही देखने को मिलता है।

अतः इक्ता व जागीर दोनों ही प्रणालियों के द्वारा शासन सुदृढ़ता बनाई गई जब तक केंद्रीय शक्ति मजबूत रही और इनका सुचारु संचालन हुआ। परंतु केंद्र की कमजोरी के साथ ही क्षेत्रीय राज्यों के उदय का भी ये प्रमुख कारण रही।

(b) विभिन्न विदेशी यात्रियों ने विजयनगर साम्राज्य का सजीव वर्णन किया है। इन विवरणों की सहायता से विजयनगर साम्राज्य की शक्ति एवं समाज पर प्रकाश डालिये। 15

Various foreign travellers have left a vivid description of the Kingdom of Vijayanagara. With the help of these accounts, throw light on the magnificent strength and society of the Vijayanagara empire. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना

1336 ई. में हरिहर व बुक्का द्वारा की गई।

विजयनगर साम्राज्य के बारे में जानकारी के लिए हमारे सामने निकोलो कोंटी, डोमिंगो पायस, अफनासी निकितन, जैसे यात्रियों के विवरण हैं।

विजयनगर के साम्राज्य के वर्णन में निकोलो कोंटी द्वारा व्यापार पर प्रकाश डाला गया। वह व्यापार की वस्तुओं के आदान - प्रदान का विवरण देता है।

डोमिंगो पायस के विवरण तात्कालिन समाज के बारे में बताते हैं। इसके अनुसार महिलाएं ज्योतिष, वैद्य, कुश्ती खेल जैसी गतिविधियों में भाग लेती थी।

वह राज्य की सिंचाई व्यवस्था की तारीफ करते हुए नागलपुरम जलाशय के बारे

drishti | दृष्टि The Vision

में बताता है की तुंगभद्रा से नाले द्वारा पानी से भरा जाता था। इसी नगर का एक पहाड़ी से वर्णन करते हुए उसी रूमि (पिटनी क्षेत्रफल का बताता है।)

समरकंद के यात्री अब्दुर रज्जाक द्वारा भी विजयनगर की सैन्य व्यवस्थाओं का वर्णन किया गया है। उसके अनुसार शहर को तीन से पाँच चारदीवारी में घेरा गया था। ऐसा आक्रमण के समय रक्षा के लिए किया गया था।

कोट में जहाँ राजधानी होती थी वहीं बाजार, खेत वहीं खलिहान को भी घेर गया था। दीवारों को बनाने में किसी भी प्रकार की जुड़ाव सामग्री का प्रयोग नहीं किया गया था।

सांस्कृतिक रूप से वह इन निर्माण कलाओं में बड़ी सौंदर्यबोध रूपों का भी वर्णन करता है।

डोमिंगो पायस के सामाजिक विवरणों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विरूपाक्ष मंदिर, पहिरा व महानवमी डिब्बा पर सार्वजनिक उत्सवों का विवरण भी दिया गया है। इसके द्वारा राजा के मस्जिद व मंदिर दोनों में सिर झुकाने का विवरण दिया गया है व एक ताराबबाद बाजार के बारे में बताया है जहाँ नृत्य व संगीत पेश किए जाते थे।

यात्रियों द्वारा बाजार में आने के सामानों के भी विवरण मिलते हैं वहीं रूसी अफानासी निकीतन साम्राज्य में विघटन व पतन की घटनाओं का विवरण देता है।

अतः 'ए फॉरगॉटन एंपायर' हंपी के बारे में जानकारी जुटाने में विदेशी यात्रियों का योगदान अहम है। इनके विवरणों को कृष्णदेवराय की आमुक्तमाल्यद के साथ तुलना कर के सत्यापित भी किया जा सकता है।

(c) शेरशाह सूरी की भू-राजस्व प्रणाली की चर्चा कीजिये। इसकी महत्त्वपूर्ण विशेषताओं एवं सीमाओं पर प्रकाश डालिये। 15

Discuss the land revenue system of Sher Shah Suri. Highlight its important features and limitations. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कन्नौज के युद्ध में हुमायूं को पराजित कर के शेरशाह सूरी ने 1540ई० में अफगान साम्राज्य की स्थापना की। उसके द्वारा आर्थिक सुधारों से साम्राज्य की सुदृढ़ता पर जोर दिया गया।

भूराजस्व प्रणाली

1. शेरशाह सूरी के द्वारा अलाउद्दीन खिलजी की मसाहत प्रणाली से प्रेरणा लेते हुए जब्ती प्रणाली की शुरुआत की गयी।

मसाहत प्रणाली में राज्य के लिए राजस्व बढ़ाने पर विशेष जोर था वहीं जब्ती प्रणाली में कृषक सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया था। शेरशाह के द्वारा गज-ए-सिकंदरी का प्रयोग कर के जमीन की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पैमाइश करवाई गई। इसी के आधार पर जमीनों की उर्वरता के आधार पर तीन स्तरों में वर्गीकरण किया गया। इस पद्धति में मसाहत की तरह सभी किसानों को एक जैसा कर नहीं देना पड़ता था।

भूराजस्व का निर्धारण करते हुए शेरशाह द्वारा एक मानक का प्रयोग किया गया जिसे 'रय' कहा गया।' उसने फसल का 1/3 कर के रूप में लगाया व जरीबाना, मुहसिलाना जैसे अन्य करों को भी लागू किया। कर व्यवस्था में किसान के लाभ का ध्यान रखा गया व मसाहत की तरह एकमुश्त 50% कर नहीं लिया गया।

शेरशाह द्वारा किसान को सबसे निर्बल पक्ष मानते हुए सुधार किए इसके अलावा चुंगी टैक्स को भी संतुलित करते हुए केवल 2 ही जगह ऐसे कर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मसूली का नियम बनाया गया।

तमाम सुधारों के बावजूद शेरशाह की प्रणाली में भी भूमि मापन व उर्वरता के आधार पर वर्गीकरण में समस्याएँ थी। इसके अलावा कर निर्धारण में भी कोई औसत कर जैसी व्यवस्था न थी। बिचौलियों के कारण भी सीधे किसान वर्ग से जुड़ाव में समस्याएँ थी।

अतः इन सब समस्याओं को आगे अकबर द्वारा दहसाला बंदोबस्त, इलाही गज से भूमि मापन व पोलज, परती, चच्चर, बंजर में विभाजित कर के शुल्क लगाने की पद्धति द्वारा सुधार गया। फिर भी शेरशाह के सुधार की नवाचारी थे जिन्होंने अकबर के लिए मार्गदर्शन का काम किया।

8. (a) मुस्लिम शासन के अंतर्गत मध्ययुगीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास का अनुरेखण कीजिये। 20

Trace the development of science and technology in the medieval India under the Muslim rule. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) 'मराठा शक्ति का उदय औरंगजेब की सांप्रदायिक नीतियों के विरुद्ध एक हिंदू प्रतिक्रिया थी।' समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 15

'Emergence of Maratha power was a Hindu reaction against communal policies of Aurangzeb.' Critically analyze. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) विभिन्न मुगल बादशाहों के अधीन ब्रिटिश-मुगल संबंधों का मूल्यांकन कीजिये। 15

Give an estimate of the British-Mughal relations under various Mughal Badshahs. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)